दीनदयाळ समाज सेवा केन्द्र

(नोंदणी क्र. ई - 11260 मुंबई, दि. 29-6-1987)
क 57, गणेश नगर सोसायटी, गोगटे वाडी, गणपती मंदिर, गोरेगाव पूर्व, मुंबई 400 063. दूरध्वनी : 29275408

कृपया प्रकाशनार्थ **26 सितंबर 2011**

अर्थ का प्रभाव और अर्थ का अभाव दोनो ही गलत माननेवाले पं. दीनदयाल आज भी आदर्श : प्रकाश जावडेकर

मुंबई,सोमवार:"समाजजीवन में अर्थ का प्रभाव याने पैसेवालों का जोर और अर्थ का अभाव याने आम आदमी को पैसे की किल्लत हो तो वह देश प्रगती नही कर सकता. अर्थ का प्रभाव व अर्थ का अभाव दोनो भी देश में न हो, यह पं. दीनदयाल उपाध्याय के 50 वर्ष पुराने विचार आज भी अनुकरणीय लगते हैं. यही उनके विचारों की शक्ति है'', ऐसा अभिमत भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद श्री. प्रकाश जावडेकर ने व्यक्त किया. पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर मुंबई के गोरेगाव में दीनदयाल समाज सेवा केंद्र द्वारा आयोजित व्याख्यान में श्री. जावडेकर बोल रहे थे. पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की.

'पं.दीनदयाल उपाध्याय-आज के संदर्भ में' इस विषय पर व्याख्यान देते हुए श्री. जावडेकर ने आगे कहा,''पं. दीनदयाल द्रष्टा नेता थे. इसलिए उनके मृत्यू के 43 वर्ष बाद भी उनके विचार ताजा तथा अनुकरणीय है. राजनीतिक पार्टी याने जिंदा आंदोलन होना चाहीए ऐसा उनका आग्रह था. सरकार के विरोध में आंदोलन करना इतना ही राजनीतिक पार्टी का काम नहीं होता तो जिसके खिलाफ आंदोलन होता है उसे विकल्प निर्माण करना भी राजनीतिक पार्टी का काम होता है, ऐसा माननेवाले पं. दीनदयाल ने पचास वर्ष पहले मुक्त वित्तनीति का सपना संजोया था. आज जब वैश्विकरण की चर्चा है तब इस द्रष्टा नेता के सामने सिर झुकता है. लोकतंत्र में अर्थतंत्र की बात करते हुए सभी उद्योजकों को मुक्त वातावरण में उद्योग बढाने का मौका मिले तो दुसरी ओर अर्थ का प्रभाव अर्थ का अभाव भी न हो ऐसी पं. दीनदयाल की आम आदमी के हितों की रक्षा करनेवाली विचारधारा थी.'' देश में हर हाथ को काम और हर खेत को पानी मिलें यह पं. दीनदयाल का सपना आज भी अधुरा होने पर सांसद श्री. जावडेकर ने खेद व्यक्त किया.

..2..

दीनदयाल समाज सेवा केंद्रद्वारा समाज प्रबोधन के लिए आयोजित इस व्याख्यान में अपना सामाजिक दायित्व निभाने के लिए कुछ ज्येष्ठ समाजसेवकों का सम्मान भी किया गया. पुनर्वास मतिमंद संस्था के संस्थापक 83 वर्षों के श्री. प्रभाकर मोडक, तो 80 वर्ष पुरे होने जा रहे है इसलिए पूर्व विधायक व भाजपा उत्तर मुंबई के पूर्व अध्यक्ष श्री. माधव मराठे तथा मराठी अखबारों में 3,200 से अधिक पत्र लिखनेवाले विद्यावर्धिनी शिक्षण संस्था के न्यासी श्री. मधुकर ताटके (आयु 81) इन तीनों का इस कार्यक्रम में सम्मान किया गया.

समाज के सामने आदर्शों की अत्यंत आवश्यकता है, इस भूमिका में यह सत्कार किए ऐसा कहते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष व पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने कहा,''आदर्श तथा तत्वों के मामले में कभी भी समझौता न करने की सीख पं. दीनदयाल जी ने हमें दी. भारतीय जनसंघ के शुरुआत के दिनों में राजस्थान में हमारे केवल 7 विधायक थे. तब 'जोतनेवाली भूमि किसान की' इस विधेयक के विषय में पार्टी का आदेश मानने से स्वयं जमीनदार होनेवाले 6 विधायकों ने इन्कार करते हुए बगावत का ऐलान भी किया. ऐसे में तत्वों से समझौता न करते हुए उन सबको पार्टी से निष्कासित करने का निर्णय पं. दीनदयाल जी ने लिया. इसलिए आज भी वें हमें आदरणीय लगते हैं. पार्टी की नीति का तब समर्थन करनेवाला इकलौता विधायक और कोई नही तो बाद में राजस्थान के मुख्यमंत्री व उपराष्ट्रपती बने श्री. भैरोसिंह शेखावत थे.''

पूर्व उपमहापौर व नगरसेवक श्री. दिलीप पटेल ने इस समय प्रास्ताविक भाषण किया, तथा भाजपा मुंबई के उपाध्यक्ष श्री. जयप्रकाश ठाकुर ने कार्यक्रम का सूत्रसंचालन किया. विधायक श्री. गोपाल शेट्टी, उपमहापौर श्रीमती शैलजा गिरकर, नगरसेविका श्रीमती विद्या ठाकुर, श्रीमती भारती केणी, कु. उज्वला मोडक, नगरसेवक डा. राम बारोट, श्री. मोहन मिठबावकर, श्री.प्रविण शहा, विश्व हिंदु परिषद के कोकण प्रांत के अध्यक्ष श्री. देवकीनंदन जिंदल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थानिय संघचालक सर्वश्री दाऊ दयाल शर्मा, अरविंद भावे व डा. नवनीत शहा, संस्कार भारती के श्री. सुभाष देव तथा सर्वश्री आर.यु. सिंह, भाई गिरकर, अतुल भातखलकर, हैदर आझम, रमेश मेढेकर, राजेश शर्मा, अरुण देव, आदि भाजपा नेता तथा संघ परिवार के मान्यवर इससमय उपस्थित थे.

(सुभाष देव) के लिए